ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class VIII

Subject- Hindi Second Language

Topic-

अनुस्वार,अनुनासिक,नुक्ता

By- Ram krishna

©ISWK

अनुस्वार

अनुस्वार का शाब्दिक अर्थ है - अनु+स्वार अर्थात स्वर के बाद आने वाला। दूसरे शब्दों में – 'अनुस्वार' स्वर के बाद आने वाला व्यंजन है। इसकी ध्वनि नाक से निकलती है। हिंदी भाषा में अनुस्वार का चिह्न बिंदु (ं) है | इसी रूप में अनेक स्थानों पर इसका प्रयोग किया जाता है।

जैसे :- चंचल, संभव, अंबर, सुंदर, मंगल, बंदर, पंकज |

हिंदी वर्णमाला के पाँच-वर्गों को अवश्य जानिए –

1- 'क' वर्ग यानी क, ख, ग, घ, ङ
2- 'च' वर्ग यानी च, छ, ज, झ, ञ
3- 'ट' वर्ग यानी ट, ठ, ड, ढ, ण
4- 'त' वर्ग यानी त, थ, द, ध, न
5- 'प' वर्ग यानी प, फ, ब, भ, म

नियम- अनुस्वार पंचम वर्णों के स्थान पर लगाएँ |

अनुस्वार (ं) का प्रयोग पंचम वर्ण (ङ्, ञ्, ण्, न्, म् - ये पंचमाक्षर कहलाते हैं) के स्थान पर किया जाता है। जैसे -

गङ्गा - गंगा / चञ्चल - चंचल / झण्डा - झंडा / गन्दा - गंदा / कम्पन - कंपन

नियम के अपवाद -

1 . यदि किसी वर्ग के पंचम अक्षर के बाद किसी भी वर्ग का पंचम अक्षर आए तो अनुस्वार न लगाएँ ।

जैसे- वाङ्.मय, चिन्मय, उन्मुख आदि शब्द वांमय, चिंमय, उंमुख के रूप में नहीं लिखे जाते हैं।

2. किसी शब्द में यदि पंचम वर्ण दो बार आए तो पहले वाले पंचम वर्ण के बदले अनुस्वार न लगाएँ |

जैसे- प्रसन्न, अन्न, सम्मेलन आदि प्रसंन, अंन, संमेलन के रूप नहीं लिखे जाते हैं।

3. कुछ शब्दों में अनुस्वार के बाद य, र, ल, व, ह आए तो वहाँ अनुस्वार न लगाएँ।

जैसे – पुण्य,अन्य,समन्वय,मान्यता, कन्हैया, तुम्हें आदि शब्द इसी तरह सही है।

अनुस्वार शब्द

पसंद, गंदा, रौंदते, अंशों, बंद, बंधन , पतंग, संबंध,

अत्यंत, क्रांति, चिंतन, ढंग, मंत्री, सौंप, संक्षिप्त, संभावना,

अंकित, , गेंद, सेंटर, संक्रमण, अंतिम,कैंप, अधिकांश, संपूर्ण, रंगीन,

तंबू, नींद, ठंडी, अत्यंत, कुकिंग।

अनुनासिक

अनुनासिक' शब्द 'अनु+नासिक' के योग से बना है | 'अनु' उपसर्ग है जिसका अर्थ है- अनुगमन करना और 'नासिक' का अर्थ है – नाक | जब वायु मुख के साथ-साथ नासिका – मार्ग से बाहर निकलती है, तब उच्चारित होने वाले सभी स्वर 'अनुनासिक' कहलाते हैं | 'अनुनासिक' का चिह्न है चंद्रबिंदु (ँ) |

जैसे- चाँद , हँसना , गाँव , आँख , ऊँट , पाँच ,बाँसुरी आदि |

नियम- जिन स्वरों का उच्चारण मुख और नासिका दोनों से किया जाता है, उन्हीं स्वरों को लिखते समय वर्ण के ऊपर अनुनासिक के चिह्न (ँ) प्रयोग किए जाते हैं।

यह ध्वनि (अनुनासिक) वास्तव में स्वरों का गुण होती है। अ, आ, उ, तथा ऊ स्वर वाले शब्दों में इसे लगाया जाता है।

जैसे – अँधेरे, साँस, बाँधना, कुआँ, मुँह, धुँधला, फूँकना, सकूँगा, आदि।

सरल रूप में समझने के लिए बता दूँ कि जिस वर्ण के ऊपर कोई मात्रा न हो वहीं अनुनासिक चिह्न लगाएँ| (दिए गए शब्दों को ध्यान से देखें और समझें)

यहाँ आपके मन में संदेह हो सकता है कि स्वरों में तो इ, ई, ए, ऐ, ओ और औ भी आते हैं तो अनुनासिक इन स्वरों वाले शब्दों में क्यों नहीं लगा सकते ?

इसका कारण यह है कि जिन स्वरों में शिरोरेखा (शब्द के ऊपर खींची जाने वाली लाइन) के ऊपर मात्रा के चिह्न आते हैं, वहाँ अनुनासिक के लिए जगह की कमी के कारण अनुस्वार चिह्न (बिंदु) ही लगाए जाते हैं।

इस नियम को उदाहरणों के माध्यम से समझेंगे –

नहीँ - नहीं / मैँ – मैं / गोँद – गोंद

इन सभी शब्दों में जैसा कि हम देख रहे हैं कि शिरोरेखा से ऊपर मात्रा-चिह्न लगे हुए हैं - जैसे 'नहीं' में ई, 'मैं' में ऐ तथा 'गोंद' में ओ की मात्रा के चिह्न हैं।

नोट- 'ए' जब स्वर के रूप में लिखा जाता है तब बहुवचन में 'ए' के ऊपर चंद्रबिंदु (ँ) ही लगाए जाते हैं| जैसे- जाएँगे, खाएँगे आदि |

अनुनासिक शब्द

गाँव, मुँह, कुआँ, चाँद, भाँति, काँच , बाँधकर, पहुँच,

ऊँचाई, टाँग, पाँच, साँस, अँगूठा, बाँधकर, बाँट, अँधेर, माँ,

फूँकना, आँखें, झाँका, बाँस, सँभाले, मियाँ, अजाँ, ऊँगली,

ठूँस, गूँथ, काँव-काँव।

नुक़्ता

नुक़्ता मूलरूप से अरबी भाषा का शब्द है, जिसका हिंदी और उर्दू में अर्थ है ‘ बिंदु ’ (Dot) | उर्दू भाषा से हिन्दी भाषा में आए क, ख, ग, ज, फ, वर्णों को अलग से बताने के लिए इनके नीचे एक बिंदु का प्रयोग किया जाता है। नीचे लगने वाले इस बिंदु को नुक़्ता कहते हैं।

नुक़्ता इन अक्षरों के नीचे ही लगाया जाता है --- क़, ख़, ग़, ज़, फ़

इस नुक़्ता के प्रयोग से उस वर्ण के उच्चारण पर अधिक दबाव आ जाता है फिर उसका उच्चारण बदलकर किसी अन्य व्यंजन का रूप हो जाता है।

जैसे गज हिन्दी का शब्द है जिसका अर्थ हाथी होता है। गज़ लिखे जाने पर इसका अर्थ एक नाप (Yards) के लिए हो जाता है।

हिंदी में 'खुदा' का अर्थ होता है - 'खुदी हुई ज़मीन' और नुक़्ता लग जाने से 'ख़ुदा' का अर्थ 'भगवान्' हो जाता है।

नुक़्ता के प्रयोग के कुछ उदाहरण –

- क़, - **क़यामत, क़ुरान, क़ायदा, क़ैद , क़ानून आदि।**
- ख़ – ख़त , ख़ाकी, ख़ाना, ख़ामियाजा, ख़ानदान, ख़ारिज, ख़तरा, ख़ैरियत आदि।
- ग़ – ग़म, ग़ालिब, ग़रीब, ग़लीचा, ग़ायब, बाग़, ग़ैर, बेग़म आदि।
- ज़ - इज़रायल, रिलीज़, ब्लेज़र, ज़ज, कमज़ोर, मज़दूर, इज़्ज़त, मरीज़, ज़ुल्म, ज़रा, ज़ेवर, ज़ोरदार आदि।
- फ़ - फ़्रेंच, फ़ोटो,**फ़र्ज़** फ़रियाद, फ़तवा, फ़जीहत, फ़कीर, फ़रमान, आदि।

(नोट- अंग्रेजी भाषा में ज और फ के उच्चारण पर दबाव को बताने के लिए नुक़्ता का प्रयोग होता है।)

धन्यवाद

स्वस्थ रहें! सुरक्षित रहें!

घर में रहें !!!